११. मेडिकल कालेज अस्पताल, कलकत्ता ।

१२ जनरल अस्पताल, श्रीनगर ।

१३ अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान-संस्था, नई दिल्ली ।

कोलम्बो योजना के अन्तर्गत कनाडा की सरकार क्रमांक १–३ में उल्लिखित संस्थाओं में एक-एक एकक लगाने के लिये तीन कोबाल्ट बीम चिकित्सा एकक, तथा कैंसर संस्था, मद्रास के लिये एक शक्तिशाली कोबाल्ट ६० सोर्स प्रदान कर रही है ।

†[THE MINISTER OF HEALTH (SHRI D P KARMARKAR) As far as the Government of India are aware one Cobalt Beam Unit with a strength of the radio active source of 1,000 was supplied by the Atomic Energy of Canada Limited as a gift to the Cancer Institute, Madras in July, 1957 Requests have been received for the supply of Cobalt therapy units to the following institutions·—

1 The Tata Memorial Hospital, Bombay

2 The Chittaranjan Cancer Hospital, Calcutta

3 The Christian Medical College Hospital, Ludhiana

4 The Cancer Institute, Madras (Stronger Cobalt 60 Source)

5 The Christian Medical College, Vellore

6 The Medical College Hospital, Trivandrum

7 The S C B Medical College Hospital, Cuttack

8 The Cancer Institute, Hyderabad

9 The Victoria Hospital, Bangalore

10 The Medical College Hospital, Kanpur

11. The Medical College Hospital, Calcutta

12 General Hospital, Srinagar

13 All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

The Government of Canada under the Colombo Plan are supplying three Cobalt Beam Therapy Units for installation one each at the institutions mentioned at Serial Nos 1-3 above and a stronger cobalt 60 source for the Cancer Institute, Madras]

विषाणु गवेषणा केन्द्र

८५. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि पूना, कुनूर और लखनऊ के विषाणु गवेषणा केन्द्र ऐनसिफलाइटिस पैदा करने वाले विषाणु को अभी तक पृथक् नहीं कर सके हैं, यदि हां, तो देरी का क्या कारण है और इस कार्य में अब तक क्या प्रगति हो चुकी है, और

(ख) उपरोक्त तीनों केन्द्रों के अतिरिक्त भारत में इसके सम्बन्ध में और कहां-कहां कार्य हो रहा है और वहां इस सम्बन्ध में क्या प्रगति हुई है ?

†[VIRUS RESEARCH CENTRES

85 SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN Will the Minister of HEALTH be pleased to state

(a) whether it is a fact that Virus Research Centres at Poona, Coonoor and Lucknow, have not yet been able to isolate the virus responsible for causing Encephalitis, if so, what is the reason for the delay and what progress has so far been made in this work, and

(b) which are the places in India other than the above three centres, where work is being done in this connection and what progress has been made there in this regard?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर): (क) पूना, कुनूर और लखनऊ के विषाण गवेषणा केन्द्रों ने इस रोग से पीड़ित रोगियों के मल से बहुत बड़ी संख्या में विषाणु

†[ ]English translation.

पृथक् किये है । इस रोग को उत्पन्न करने वाले विषाणुओ की पहचान के सम्बन्ध मे अध्ययन प्रगति पर है ।

अध्ययन किये जाने वाले विषाणुओ की सख्या अधिक होने के कारण खोज मे समय का लगना अवश्यम्भावी है क्योकि विषाणुओ के पृथक्करण मे ही नही, बल्कि रोग के कारण के रूप मे उनकी पहचान मे भी जटिल क्रिया-विधि अपनाई जाती है ।

(ख) भारत मे ऐसा कोई अन्य केन्द्र नही है, जहा यह कार्य हो रहा हो ।

†[THE MINISTER OF HEALTH (SHRI D P KARMARKAR) (a) The Virus Research Centres in Poona, Coonoor and Lucknow have isolated a large number of viruses from the stools of patients suffering from the disease Studies in connection with the identification of the virus responsible for the disease are in progress.

In view of the large number of viruses to be studied, the investigation will inevitably take time, since complicated procedures are involved not only in the isolation of viruses but also in their identification as the cause of the disease

(b) There are no other Centres in India where this work is undertaken]

वबाई रोगों की गवेषणा में प्रगति

८६. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **स्वास्थ्य** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि:

(क) हैजा, प्लेग व अन्य ऐसे वबाई रोगो के गवेषणा कार्य मे अब तक क्या प्रगति हुई है व भारतीय मेडिकल गवेषणा परिषद् द्वारा नियुक्त विशेषज्ञो के दल ने अब तक क्या कार्य किया है ; और

(ख) केन्द्रीय सरकार के आदेशानुसार किन-किन राज्य सरकारो ने इसके सम्बन्ध मे अब तक कमेटियो का निर्माण नही किया और उसका कारण क्या है ?

†[PROGRESS MADE IN THE RESEARCH ON EPIDEMIC DISEASES

86 SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN Will the Minister of HEALTH be pleased to state.

(a) what progress has so far been made in the research work on Cholera, Plague and other epidemic diseases and what work has so far been done by the team of experts deputed by the Indian Council of Medical Research; and

(b) which of the State Governments have not so far constituted committees in this respect in accordance with the directive of the Central Government and what is the reason therefor?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर): (क) हैजा, प्लेग और अन्य महामारी रोगो के गवेषणा कार्य मे अब तक निम्नाकित प्र ति हुई है —

प्लेग—भारतीय चिकित्सा अनुसधान परिषद् द्वारा प्लेग मे अध्ययन कराये जा रहे हैं और कुछ स्थानिकमारी क्षेत्रो मे प्लेग के बारम्बार प्रकोप के कारणो तथा प्लेग के कीटाणुओ के रासायनिक और बिकर (enzymatic) बनावट की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । विश्व-स्वास्थ्य सगठन की सहकार्यता मे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित प्लेग अनुसधान केन्द्र, देहरादून ने कृन्तको द्वारा प्लेग के प्रसार के बारे मे अध्ययन किये थे । प्लेग के निरन्तर प्रकोप के कारणो पर और खास कर इस रोग के प्रसार मे जगली कृन्तक कहा तक जिम्मेदार है, यह जानने के लिये प्लेग केन्द्र, देहरादून मे अध्ययन किये गये ।

†[ ] English translation.